

श्री चित्रगुप्त आरती in Hindi

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।
भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥
विघ्न विनाशक मंगलकर्ता,
सन्तनसुखदायी ।
भक्तों के प्रतिपालक,
त्रिभुवनयश छायी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

रूप चतुर्भुज, श्यामल मूर्त,
पीताम्बरराजै ।
मातु इरावती, दक्षिणा,
वामअंग साजै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कष्ट निवारक, दुष्ट संहारक,
प्रभुअंतर्यामी ।
सृष्टि समहारन, जन दुःख हारन,
प्रकटभये स्वामी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

कलम, दवात, शंख, पत्रिका,
करमें अति सोहै ।
वैजयन्ती वनमाला,
त्रिभुवनमन मोहै ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

विश्व न्याय का कार्य सम्भाला,
ब्रम्हाहर्षाये ।
कोटि कोटि देवता तुम्हारे,
चरणनमें धाये ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

नृप सुदास अरु भीष्म पितामह,
यादतुम्हें कीन्हा ।
वेग, विलम्ब न कीन्हों,
इच्छितफल दीन्हा ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

दारा, सुत, भगिनी,
सबअपने स्वास्थ के कर्ता ।
जाऊँ कहाँ शरण में किसकी,
तुमतज मैं भर्ता ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

बन्धु, पिता तुम स्वामी,
शरणगहूँ किसकी ।
तुम बिने और न दूजा,
आसकरूँ जिसकी ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

जो जन चित्रगुप्त जी की आरती,
प्रेम सहित गावें ।
चौरासी से निश्चित छूटें,
इच्छित फल पावें ॥
ॐ जय चित्रगुप्त हरे... ॥

न्यायाधीश बेंकुठ निवासी,
पापपुण्य लिखते ।
'नानक' शरण तिहारे,
आसन दूजी करते ॥

ॐ जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामीजय चित्रगुप्त हरे ।
भक्तजनों के इच्छित,
फलको पूर्ण करे ॥

Shri Chitragupt Aarti in English

Om Jai Chitragupta Hare,
Swami Jai Chitragupta Hare.
Bhakt janon ke ichchhit,
Phal ko poorn kare.

Vighn vinashak mangal karta,
Santan sukhdayi.
Bhakton ke pratipalak,
Tribhuvan yash chhayi.
Om Jai Chitragupta Hare...

Roop chaturbhuj, shyamal moorat,
Peetambar rajai.
Matu Iravati, Dakshina,
Vam ang sajai.
Om Jai Chitragupta Hare...

Kasht nivarak, dusht sanharak,
Prabhu antaryami.
Srishti samharan, jan dukh haran,
Prakat bhaye Swami.
Om Jai Chitragupta Hare...

Kalam, dawat, shankh, patrika,
Kar mein ati sohe.
Vaijayanti vanmala,
Tribhuvan man mohe.
Om Jai Chitragupta Hare...

Vishva nyay ka karya sambhala,
Brahma harshaye.
Koti koti devta tumhare,
Charanon mein dhaye.
Om Jai Chitragupta Hare...

**Nrip Sudas aru Bhishma Pitamah,
Yaad tumhe keenha.
Veg vilamb na keenhau,
Ichchhit phal deenha.
Om Jai Chitragupta Hare...**

**Dara, sut, bhagini,
Sab apne swasth ke karta.
Jaoon kahan sharan mein kiske,
Tum taj main bharta.
Om Jai Chitragupta Hare...**

**Bandhu, pita tum Swami,
Sharan gahun kiske.
Tum bin aur na dooja,
Aas karun jiske.
Om Jai Chitragupta Hare...**

**Jo jan Chitragupta ji ki aarti,
Prem sahit gaavein.
Chaurasi se nischit chhootein,
Ichchhit phal paavein.
Om Jai Chitragupta Hare...**

**Nyayadhish Baikunth nivaasi,
Paap-punya likhte.
'Nanak' sharan tihare,
Aasan dooji karte.**

**Om Jai Chitragupta Hare,
Swami Jai Chitragupta Hare.
Bhakt janon ke ichchhit,
Phal ko poorn kare.**